फीफा विश्व कप 2026 : मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर दर्ज की विश्व कप इतिहास की पहली जीत

वैंकूवर

स्टार फुटबालर मोहम्मद सालाह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिस्र ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रच दिया। ग्रुप-जी के मुकाबले में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी पहली जीत दर्ज की।

मिस्र के लिए मोहम्मद सालाह और मुस्तफा ज़िको ने एक-एक गोल करने के साथ एक-एक गोल में सहयोग भी किया, जबकि तीसरा गोल ट्रेजेगेट ने किया। पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मिस्र ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ग्रुप-जी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की और 15वें मिनट में फिन सुरमैन ने कार्नर से मिले मौके को हेडर में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक न्यूजीलैंड 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में मिस्र ने आक्रामक खेल दिखाया। 58वें मिनट में मोहम्मद हानी के बेहतरीन क्रास पर मुस्तफा ज़िको ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद 67वें मिनट में सालाह ने टूर्नामेंट का अपना पहला गोल दागते हुए मिस्र को बढ़त दिला दी। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 68वां गोल भी रहा। गोल के बाद सालाह ने दर्शकों की ओर मुट्ठी लहराकर जश्न मनाया और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया।

82वें मिनट में ट्रेजेगेट ने कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर मिस्र की जीत पक्की कर दी। यह विश्व कप में उनका पहला गोल रहा। मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने चार महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकाम्ब ने भी चार सेव किए।

इस जीत के बाद मिस्र ग्रुप में मजबूत स्थिति में पहुंच गया है और शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। वहीं न्यूजीलैंड, जो अब भी विश्व कप में अपनी पहली जीत की तलाश में है, उसी दिन बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच के बाद सालाह ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस जीत को मिस्र के फुटबाल इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा। उन्होंने मिस्री समर्थकों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे टीम अपने ही देश में खेल रही हो।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : इराक के खिलाफ फ्रांस के लिए 100वां मैच खेलेंगे एम्बाप्पे

फिलाडेल्फिया। फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे सोमवार को इराक के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मैच खेलने उतरेंगे। मुकाबले से पहले फिलाडेल्फिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है। एम्बाप्पे ने कहा कि अपने देश के लिए खेलना हमेशा गर्व की बात होती है और विश्व कप जैसे मंच पर 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना इसे और भी यादगार बना देता है। उन्होंने कहा कि सौ का आंकड़ा ऐतिहासिक होता है और विश्व कप में इस उपलब्धि तक पहुंचना उनके लिए विशेष क्षण होगा। 27 वर्षीय एम्बाप्पे फ्रांस के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। हालांकि वह अभी भी पूर्व कप्तान और गोलरक्षक ह्यूगो लोरिस के 145 मुकाबलों के रिकार्ड से पीछे हैं। हाल ही में सेनेगल के खिलाफ दो गोल कर एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। उनके नाम अब 58 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं और उन्होंने ओलिवियर जिरू का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया है। एम्बाप्पे ने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा उनके लिए टीम की सफलता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इराक के खिलाफ जीत टीम को अगले चरण के करीब पहुंचाएगी और वही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विश्व कप को लेकर उन्होंने कहा कि वह अपने देश के लिए इतिहास में याद किए जाना चाहते हैं और विश्व कप जैसा मंच किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमता दिखाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। विश्व कप में सर्वाधिक गोल के रिकार्ड की चर्चा पर एम्बाप्पे ने कहा कि वह लगातार गोल करने का प्रयास करेंगे, लेकिन उनका मुख्य लक्ष्य फ्रांस को अधिक से अधिक आगे ले जाना है।

फीफा विश्व कप 2026 : 10 खिलाड़ियों के साथ ईरान ने बेल्जियम को गोलरहित ड्रा पर रोका

लास एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी मुकाबले में रविवार को बेल्जियम को ईरान के खिलाफ निराशा हाथ लगी। पूरे मैच में दबदबा बनाने के बावजूद बेल्जियम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए ईरान की मजबूत रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सका और मुकाबला 0-0 से ड्रा पर समाप्त हुआ। दक्षिणी कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में दर्शकों का बड़ा समर्थन बेल्जियम को मिला, लेकिन ईरान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अंक बांटने में सफलता हासिल की। ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद टीम के सबसे बड़े नायक साबित हुए। उन्होंने पूरे मैच में सात महत्वपूर्ण बचाव किए और बेल्जियम के लगातार हमलों को विफल कर दिया। बेल्जियम ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन दूसरे हाफ में टीम को बड़ा झटका लगा जब डिफेंडर नाथन न्योय को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने गोल की ओर बढ़ रहे ईरानी स्ट्राइकर मेहदी तारेमी को रोकने के प्रयास में फाउल किया था। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद बेल्जियम ने हमले जारी रखे, लेकिन ईरान की अनुशासित रक्षा के सामने उसे सफलता नहीं मिली।

यशस्वी ने पिता को फादर्स डे पर लक्जरी कार उपहार में देकर जीता दिल

मुम्बई। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने फादर्स डे के अवसर पर अपने पिता को एक महंगी लग्जरी कार उपहार में दी है। इस कार की कीमत करीब बेहद 1.32 करोड़ रुपये बतायी गयी है। यशस्वी के अपने पिता को उपहार देने पर प्रशंसकों ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी ने जिस प्रकार से पिता को कार भेंट की है। उससे उन्होंने उनके प्रति गहरे सम्मान और प्रेम को दिखाया है। इसका कारण ये है कि पिता ने यशस्वी के क्रिकेट सपनों को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया था। पिता को कार उपहार में देने की दिल जीत लेने वाली तस्वीरें यशस्वी के भाई तेजस्वी ने सोशल मीडिया में साझा की हैं। ये तेजी से वायरल हो गई हैं। इन तस्वीरों में पूरा परिवार कार की डिलीवरी लेने के लिए एक साथ नजर आ रही है। इस दौरान यशस्वी के माता-पिता बेहद सामान्य कपड़ों में दिखे, इससे उनकी सादगी और विनम्रता दिखती है। उनके पिता की इस सादगी को देखकर प्रशंसक भी बेहद भावुक हो गए और यशस्वी के इस कदम की सराहना की। यह दृश्य कई लोगों के लिए प्रेरणादायक था, क्योंकि यह दिखाता है कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना कितना जरुरी है। यशस्वी ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के अंतिम मुकाबले में शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

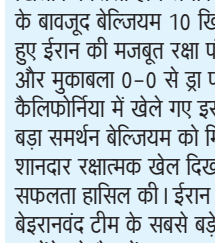

चंचल राठौर की कप्तानी पारी से उज्जैन फाल्कंस की शानदार जीत

प्लेयर आफ द मैच आर्यन पांडे की हैट्रिक और आलराउंड खेल से पस्त हुई बुल्स ; दर्शन राठौर ने छक्के से किया मैच फिनिश

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के 39वें मुकाबले में उज्जैन फाल्कंस ने रोमांचक संघर्ष के बाद बुंदेलखंड बुल्स को चार विकेट से पराजित कर प्लेआफ की उम्मीदों को मजबूती दी। 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उज्जैन फाल्कंस ने कप्तान चंचल राठौर (63) और प्लेयर आफ द मैच आर्यन पांडे (24 रन व 4 विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत 19.1 ओवर में 166/6 रन बनाकर चार विकेट से जीत हासिल की।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स ने कप्तान अभिषेक पाठक की 14 गेंदों में 36 रन की विस्फोटक पारी और शिवांग कुमार (30) तथा विक्रांत भदौरिया (22) के योगदान से 19.5 ओवर में 160 रन बनाए। बुल्स ने पावरप्ले में 72 रन जोड़कर आक्रामक शुरुआत की, लेकिन बाद के ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। उज्जैन की ओर से आर्यन पांडे ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 16 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में लगातार तीन गेंदों पर गौतम जोशी, ओमकार नाथ सिंह और हर्षित परसाई को आउट कर शानदार हैट्रिक भी पूरी की। मसूम रज़ा कैफ ने 19 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उज्जैन फाल्कंस की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर पर ऋषि मिगलानी और यश दुबे के विकेट गंवा दिए। इसके बाद माधव तिवारी ने 10 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेलकर रनगति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन हर्षित परसाई ने उन्हें पवेलियन भेजकर फाल्कंस को तीसरा झटका दिया। पावरप्ले में टीम का स्कोर 47/3 रहा और मुकाबला पूरी तरह बुंदेलखंड बुल्स के पक्ष में दिखाई देने लगा।

संकट की इस घड़ी में कप्तान एवं विकेटकीपर चंचल राठौर ने शानदार जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए 50 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। चंचल ने ओजस्वा यादव (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। यह साझेदारी मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई।

जब जीत के लिए तेज रन चाहिए थे, तब आर्यन पांडे ने भी बल्ले से कमाल दिखाया। उन्होंने 16 गेंदों में 24 रन की उपयोगी पारी खेलकर दबाव कम किया और फाल्कंस को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। अंतिम दो ओवरों में मुकाबला फिर रोमांचक हो गया, जब रुद्रांश सिंह ने 19वें ओवर में पहले चंचल राठौर और फिर आर्यन पांडे को आउट कर बुल्स की उम्मीदों को जगा दिया। हालांकि अंकुर सिंह चौहान और दर्शन राठौर ने घबराहट नहीं दिखाई। अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर दर्शन राठौर ने भुमेश मुजालदा को शानदार छक्का जड़कर मैच का अंत किया और उज्जैन फाल्कंस को यादगार जीत दिला दी। दर्शन 4 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि अंकुर सिंह चौहान 5 रन बनाकर अविजित रहे।

एक ही गलती दोहराने के कारण शतक नहीं लगा पा रहे वैभव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पदार्पण के बाद से ही अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हुए हैं पर लगातार एक गलती दोहराने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब तक वह चार बर शतक के करीब आकर भी उसे बनाने में विफल रहे हैं। जिससे प्रशंसक भी निराश हैं। भारत ए टीम की ओर से श्रीलंका दौरे में भी वैभव ने यही गलती की है। इससे 94 रनों पर पहुंचने के बाद भी वह शतक नहीं लगा पाये। इसका कारण उनमें धैर्य की कमी को माना जा रहा है। वैभव अगले माह होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल किये गये हैं। ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह एक ही गलती अब नहीं करेंगे। वैभव ने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में केवल 29 गेंदों में ही 94 रनों की आतिशी पारी खेली थी जिससे सभी हैरान हो गये थे। इस आक्रामक पारी के बाद भी वैभव शतक के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये। इससे एक बार फिर दिखा कि वह शतक के करीब जाकर गलती कर जाते हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ हुए उस फाइनल मुकाबले में वैभव ने पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 11 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। 64 रन तक पहुंचने तक वैभव ने एक भी सिंगल नहीं लिया, जो यह संकेत दे रहा था कि वह एक बड़े शतक की ओर बढ़ रहे हैं पर एक बार फिर इस बल्लेबाज ने वही पुरानी गलती दोहराई जिससे वह शतक से केवल 6 रन दूर रह गए।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने पर बोले प्रीतम- तकनीक पर रखा पूरा ध्यान

सुहल (जर्मनी)

भारत के 16 वर्षीय निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार पहचान बनाते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप 2026 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। अपने केवल दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए प्रीतम ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में बेहद संयमित और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 251.3 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। तटस्थ खिलाड़ी तिमोफेई अलेइनिकोव ने रजत और नार्वे के जेन्स ओएस्टली ने कांस्य पदक जीता।

विश्व खिताब जीतने के बाद प्रीतम ने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उनका पूरा ध्यान केवल अपनी तकनीक और हर शाट को बेहतर तरीके से खेलने पर था। प्रीतम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस जीत से मैं बेहद खुश हूं। पूरी प्रतियोगिता के दौरान मेरा ध्यान केवल अपनी तकनीक पर रहा और हर शाट में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। पुणे के रहने वाले युवा निशानेबाज ने अपनी सफलता का श्रेय गगन नारंग गन फार ग्लोरी शूटिंग अकादमी को भी दिया। उन्होंने कहा, अकादमी के प्रशिक्षकों ने मुझे व्यक्तिगत रूप से काफी मार्गदर्शन दिया। हमारी तैयारी हमेशा तकनीक सुधारने पर केंद्रित रही और मुझे लगता है कि यही इस सफलता का सबसे बड़ा कारण बना। हाल ही में दसवीं की परीक्षा पूरी करने वाले प्रीतम ने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं और भारत के लिए आने वाले वर्षों में कई और पदक जीतना चाहता हूं। आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप का यह पांचवां संस्करण जर्मनी के सुहल में आयोजित हो रहा है, जिसमें 70 राष्ट्रीय महासंघों के 800 से अधिक निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने इस प्रतियोगिता में 84 सदस्यीय दल उतारा है। इससे पहले 2024 में पेरू के लीमा में आयोजित प्रतियोगिता में भारत 24 पदकों (13 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा था।

धीमी ओवर गति पर इंग्लैंड को बड़ा झटका, 12 डब्ल्यूटीसी अंक कटे

लंदन। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहली बार पहुंचने की इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए गए हैं। ओवल टेस्ट में न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला बराबर कर दी। मैच के बाद यह पाया गया कि इंग्लैंड निर्धारित समय के मुकाबले 12 ओवर पीछे रहा। इसके चलते टीम पर अंक कटौती के साथ-साथ खिलाड़ियों की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने बयान में कहा कि इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने गलती स्वीकार कर ली और प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस दंड के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में इंग्लैंड सातवें स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत 34.72 से घटकर 26.38 हो गया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका की शीर्ष दो टीमें अगले वर्ष लार्ड्स में होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिलहाल शीर्ष दो स्थानों पर आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका काबिज हैं।

चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी करेंगी सेरेना, विंबलडन 2026 के लिए मिला वाइल्डकार्ड

लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम मंच पर वापसी करने जा रही हैं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना को विंबलडन 2026 के सिंगल्स वर्ग के लिए अंतिम वाइल्डकार्ड दिया गया है। इसके साथ ही वह लगभग चार साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में सिंगल्स मुकाबला खेलती नजर आएंगी।

44 वर्षीय सेरेना पहले ही अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स वर्ग में वाइल्डकार्ड हासिल कर चुकी थीं, लेकिन अब सिंगल्स में भी उनकी एंट्री ने खेल प्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार वर्ष 2022 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्हें पहले दौर में फ्रांस की खिलाड़ी हार्मनी तान से हार का सामना करना पड़ा था। उसी वर्ष अमेरिकी ओपन में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हुआ था।

उस समय सेरेना ने टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह खेल से आगे एक नए चरण में आगे बढ़ रही हैं।

हालांकि पिछले वर्ष उनके दोबारा एंटी-डोपिंग परीक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी वापसी की चर्चाएं तेज हो गई थीं।

हाल ही में उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी करते हुए कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स मुकाबले खेले। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य की खिलाड़ी करोलिना मुचोवा के साथ भी डबल्स प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अब सभी की नजरें विंबलडन पर होंगी, जहां सेरेना एक बार फिर सिंगल्स कोर्ट पर उतरकर अपने शानदार करियर में नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगी। इस वर्ष विंबलडन प्रतियोगिता 29 जून से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

महिला टी20 विश्व कप में भारत की पहली हार, दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट से हराया

मैनचेस्टर

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को छह विकेट से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी आलराउंडर मारिजान कैप ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। शेफाली वर्मा ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में रन गति को बनाए रखा, जबकि स्मृति मंधाना ने भी उपयोगी योगदान दिया। पावरप्ले में भारत ने तेज शुरुआत का फायदा उठाया, लेकिन इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और अन्य बल्लेबाजों ने उपयोगी पारियां खेलीं, जिससे भारत निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 158 रन तक पहुंच सका। दक्षिण अफ्रीका की ओर से गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत धीमी रही और शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाया। भारतीय स्पिनरों ने शुरुआती सफलताएं दिलाकर टीम को मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि इसके बाद मारिजान कैप और ताजमिन ब्रिट्स ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार मिश्रण पेश किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को मैच में वापस ला दिया। कैप ने अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी करते हुए भारत की जीत की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। भारतीय टीम को बीच के ओवरों में कैप को आउट करने के अवसर भी मिले, लेकिन कुछ कैच छूटने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। अंतिम दो ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए अपेक्षाकृत कम रन चाहिए थे और कैप ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। मारिजान कैप ने आलराउंड प्रदर्शन करते हुए गेंदबाजी में भी महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए और बल्लेबाजी में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इस हार के बावजूद भारतीय टीम अंक तालिका में मजबूत स्थिति में बनी हुई है। अब टीम की नजर अगले मुकाबले पर होगी, जहां जीत उसे सेमीफाइनल की दौड़ में और मजबूत स्थिति में पहुंचा सकती है।